

---

Shri VishnustutiH

श्रीविष्णुस्तुतिः

Document Information

---

Text title : Vishnustuti

File name : viShNustuti.itx

Category : vishhnu, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : Trivikrama Panditacharya

Proofread by : PSA Easwaran

Acknowledge-Permission: <http://kshetrayaatra.blogspot.com>

Latest update : July 27, 2018

Send corrections to : [sanskrit at cheerful dot c om](mailto:sanskrit at cheerful dot c om)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri VishnustutiH

---

### श्रीविष्णुस्तुतिः

---



श्रीमध्वसंसेवितपादपद्मं रुद्रादिदेवैः परिसेव्यमानम् ।  
ऋष्यादिभिर्वेदपथैः सुगोत्रं कथं नु पश्येयममोघवीर्यम् ॥ १ ॥

दृन्मन्दिरे सुन्दररत्नपीठे लक्ष्म्यात्मके सारतरे निविष्टम् ।  
श्रीभूसमाश्रित्तनुं तथाऽपि पूर्णं निजानन्दमयं परेशम् ॥ २ ॥

अनन्तपूर्णेन्दुकिरीटशोभितं सुनीलस्निग्धालकशोभिसम्भुम् ।  
प्रत्यग्रक्ष्णायतलोललोचनं सुयम्पकाकोरकनासिकायुतम् ॥ ३ ॥

प्रवालमध्यापितकुन्दकोरकं स्फुरत्फोलधुतिदीप्तकुण्डलम् ।  
केयूरभूषायुतभाङ्गुण्डकं सुयच्छशङ्खाञ्जगदाविराजितम् ॥ ४ ॥

त्रैवेयरत्नाभराणादिभूषितं सत्कौस्तुभावेष्टितकम्बुकन्धरम् ।  
सुवर्णसूत्राञ्चितसुन्दरोरसं विशित्रपिताम्बरधारिणं प्रभुम् ॥ ५ ॥

करिराजकरोपमोरुयुग्मं प्रियया सेवितजङ्घया समेतम् ।  
वरकूर्मप्रपदेन शोभमानं ज्वनन्विक्रान्तसुगुल्फपाद्युग्मम् ॥ ६ ॥

नभराजिसुपूर्णाचन्द्रकान्त्या नुतिमज्जनतापहारिणं रमेशम् ।  
निजपूर्णासुभोधविग्रहं परमानन्दपरात्मदैवतम् ॥ ७ ॥

॥ इति श्रीत्रिविक्रमपण्डिताचार्यविरचिता श्रीविष्णुस्तुतिः समाप्ता ॥

Proofread by PSA Easwaran

---

Shri VishnustutiH

pdf was typeset on December 22, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

